

Memorandum of Understanding

Between



जैव चिकित्सा अनुसंधान केन्द्र
Centre of Biomedical Research

An Autonomous body under the Government of Uttar Pradesh
SGPGIMS Campus, Raebareli Road, Lucknow – 226014, U.P. (INDIA)

And



लखनऊ विश्वविद्यालय
University of Lucknow

Lucknow - 226 007, Uttar Pradesh

On

21st February, 2022

Memorandum of Understanding

This Memorandum of Understanding (MoU) is entered into between Centre of Biomedical Research (CBMR) an autonomous body under the Government of Uttar Pradesh, SGPGIMS Campus, Raebareli Road, Lucknow – 226014 hereinafter called CBMR.

AND

University of Lucknow is a state university situated at Lucknow - 226 007 hereinafter called University of Lucknow. The Court of the University was constituted on March 21, 1921 with a vision to develop human resource for furtherance of knowledge through teaching. Research and innovation and ranked amongst the top educational institutions of the world for the better service to the humanity in general and our nation in particular. On July 17, 1921 the University undertook teaching – both formal and informal with a mission to be a University driven by values enriched with diverse cultures, to promote economic, social and spiritual advancement for an egalitarian society.

Sharing a common desire to extend and strengthen the functional relationship between CBMR and University of Lucknow we the undersigned, mutually agree to share existing facilities and available expertise at our respective institutions viz. CBMR and University of Lucknow by signing a MoU on **21st February, 2022** which reads as follows:

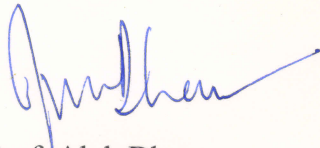
- The major objective is to establish a close linkage and functional coordination between CBMR and University of Lucknow for mutual cooperation towards the advancement of knowledge of the employees, faculty and students of both the institutions.
- CBMR and University of Lucknow will both provide intellectual and infrastructure support for carrying out academic research in collaboration in the areas of mutual interest. A prior approval of each research activity under such collaboration is required from the competent authorities of both the organizations. Mutually approved research projects will be executed without any financial liabilities on each other for recurring expenses after assessing the priority. The outcomes of the studies in terms of research papers, patents, products, etc will be jointly shared by the individuals from both the organizations.
- CBMR and University of Lucknow will encourage and provide facilities to faculty members of University of Lucknow and CBMR to explore and prepare joint proposals on thrust areas for funding. The technical activities and grant sharing between CBMR and University of Lucknow shall be mutually agreed while submitting such proposals to funding agencies. The outcomes of the joint research in terms of research papers, patents products, etc will be jointly shared by individuals of both the organizations.

- The research orientation programme for the early and mid career faculty members of University of Lucknow may be conducted at CBMR and vice versa. The duration, frequency, adequacy and other modalities of such orientation programme can be decided on mutual consent.
- The research students working at CBMR may register themselves for the award of Ph.D at University of Lucknow and CBMR faculty members can be the Guide, subject to the fulfillment of norms and conditions of University of Lucknow.
- CBMR faculty members can be Guide/Co-Guide for Ph.D Programme of University of Lucknow.
- For ethically approved studies, University of Lucknow will provide the demographic data and biological materials including the tissues of human volunteers.
- CBMR and University of Lucknow may jointly organize Seminars/ workshops/ Conferences and short-term training programme on the topics of mutual interest.
- University of Lucknow may offer honorary positions of visiting Professors to the faculty members of CBMR as per the norms of University of Lucknow
- These arrangements shall be valid for a period of five years commencing from the date of signing of this MoU and its continuance will be subject to review after the expiry of the agreed period of five Years.
- Any disputes arising will be settled by mutual negotiation between the two parties.

In witness thereof the parties have jointly signed/executed this Memorandum of Understanding in two copies on **21st February, 2022**.

SIGNATORIES

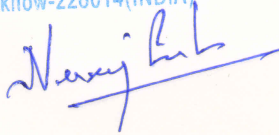
For and on behalf of CBMR



Prof. Alok Dhawan
Director
Centre of Biomedical Research
SGPGIMS Campus, Raebareli Road
Lucknow - 226014

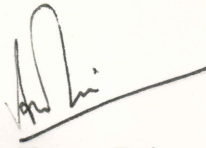
Prof. Alok Dhawan
Director
Centre of Biomedical Research
SGPGIMS Campus Raibareilly Road
Lucknow-226014(INDIA)

Witness



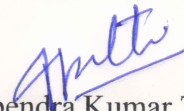
Director
Centre of Biomedical Research
SGPGIMS Campus Raibareilly Road
Lucknow-226014 (INDIA)

For and on behalf of University of Lucknow



Prof. Alok Kumar Rai
Vice Chancellor
University of Lucknow
Lucknow 226007

Vice-Chancellor
Lucknow University



Prof. Pushendra Kumar Tripathi
Director
Institute of Pharmaceutical Sciences
University of Lucknow
Second campus, Jankipuram Extension,
Lucknow 226031

Director
Institute of Pharmaceutical Sciences
University of Lucknow

A Glimpse of Memorandum of Understanding Between

Centre of Biomedical Research
An Autonomous body under the Government of Uttar Pradesh
SGPGIMS Campus, Raebareilly Road, Lucknow – 226014, U.P. (INDIA)

And

University of Lucknow
Lucknow - 226 007, Uttar Pradesh



AMAR UJALA MY CITY PAGE 5

मिलेंगे शोध, रोजगार और इंटरनशिप के बेहतर अवसर

लविवि ने सीबीएमआर व एसडीएमएफ के साथ किया एमओयू, बीफार्मा के विद्यार्थियों-शिक्षकों के लिए फायदेमंद साबित होगा

शैक्षिक आदान-प्रदान के लिए किया एमओयू

लखनऊ। एमआर मुर्मुर्दुनि विद्यापीठ (सीबीएमआर) ने सोमवार को एक शैक्षिक एमओयू पर हस्ताक्षर किए। एमओयू पर लविवि के प्रिंसिपल डॉ. जयदेव कुमार सिंह व एमओयू के सीबीएमआर के अध्यक्ष डॉ. राजेश कुमार सिंह के बीच किया गया।

एमओयू के तहत अनुसंधान और शैक्षिक कार्यक्रमों पर सूचनाओं का आदान-प्रदान करना, शिक्षण, शिक्का सामग्री एवं अन्य साहित्य पर सूचनाओं का आदान-प्रदान करना, पारस्परिक हित के विषयों पर संयुक्त रूप से अल्पकालिक शिक्षा कार्यक्रम आयोजित करना और शिक्षकों को इसमें भाग लेने के लिए आमंत्रित करना, आपसी हित के विषयों पर संगोष्ठी, सम्मेलन या कार्यशालाओं का संयुक्त रूप से आयोजन करना और शिक्षकों को उसमें भाग लेने के लिए आमंत्रित करना, फंडिंग एजेंसियों द्वारा प्रायोजित अनुसंधान या प्रशिक्षण कार्यक्रमों को संयुक्त रूप से प्रस्तावित करना और उसका क्रियान्वयन करना, शिक्षा और अनुसंधान के उद्देश्य से सीमित अवधि के लिए स्नातक, परास्नातक और डॉक्टरेट स्तर के छात्रों को अवसरों का आदान-प्रदान करना शामिल रहेगा।

कोविड 19 जैसे महामारीयों पर जैव चिकित्सा अनुसंधान के लिए ज्वाइंट रिसर्च प्रोजेक्ट करने, एकेडमिक पब्लिकेशन, पुस्तिकाओं और रिपोर्ट आदि औषधि विज्ञान के क्षेत्र में संयुक्त रूप से लिखने, छात्रों एवं संकाय सदस्यों के लिए न्यू एजुकेशन पालिसी के अनुसार अनुसंधान के अवसर उपलब्ध कराना शामिल रहेगा। वहीं स्टेट ड्रग मेन्यूफैक्चरिंग एसोसिएशन, लखनऊ एवं इंस्टीट्यूट ऑफ फार्मास्युटिकल साइंसेज के बीच एक अनुबंध किया गया।

PIONEER PAGE 5

एलयू व सीबीएमआर के बीच हुआ करार ज्वाइंट रिसर्च प्रोजेक्ट को मिलेगा बढ़ावा



पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

भाषा विश्वविद्यालय और लविवि के बीच शैक्षणिक एमओयू लखनऊ। सरकार की अपेक्षाओं एवं उच्च शिक्षा विभाग की पहल पर सोमवार को कुलपति प्रो आलोक कुमार राय के निर्देशन में ख्वाजा मुर्मुर्दुनि चिश्ती भाषा विवि एवं लखनऊ विश्वविद्यालय के मध्य एक एमओयू स्थापित किया गया है। एमओयू पर दोनों विश्वविद्यालयों के कुलसचिव द्वारा हस्ताक्षर किया गया है। एमओयू के तहत अनुसंधान और शैक्षिक कार्यक्रमों पर सूचनाओं का आदान-प्रदान करना, शिक्षण, शिक्का सामग्री एवं अन्य साहित्य पर सूचनाओं का आदान-प्रदान करना, पारस्परिक हित के विषयों पर संयुक्त रूप से अल्पकालिक शिक्षा कार्यक्रम आयोजित करना और शिक्षकों को इसमें भाग लेने के लिए आमंत्रित करना, आपसी हित के विषयों पर संगोष्ठी, सम्मेलन या कार्यशालाओं का संयुक्त रूप से आयोजन करना और शिक्षकों को उसमें भाग लेने के लिए आमंत्रित करना, फंडिंग एजेंसियों द्वारा प्रायोजित अनुसंधान या प्रशिक्षण कार्यक्रमों को संयुक्त रूप से प्रस्तावित करना और उसका क्रियान्वयन करना, शिक्षा और अनुसंधान के उद्देश्य से सीमित अवधि के लिए स्नातक, परास्नातक और डॉक्टरेट स्तर के छात्रों को अवसरों का आदान-प्रदान करना शामिल रहेगा।

लखनऊ विश्वविद्यालय के इंस्टीट्यूट ऑफ फार्मास्युटिकल साइंसेज व जैव चिकित्सा अनुसंधान केन्द्र (सीबीएमआर) के बीच सोमवार को औषधि अनुसंधान विकास को लेकर एक अनुबंध पत्र पर हस्ताक्षर किया गया। एमओयू पर लविवि के कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय और सीएमआर के निदेशक प्रो. आलोक कुमार धवन व प्रो पुष्पेन्द्र कुमार त्रिपाठी निदेशक इंस्टीट्यूट ऑफ फार्मास्युटिकल साइंसेज ने हस्ताक्षर किया। एमओयू के तहत

कोविड 19 जैसे महामारीयों पर जैव चिकित्सा अनुसंधान के लिए ज्वाइंट रिसर्च प्रोजेक्ट करने, एकेडमिक पब्लिकेशन, पुस्तिकाओं और रिपोर्ट आदि औषधि विज्ञान के क्षेत्र में संयुक्त रूप से लिखने, छात्रों एवं संकाय सदस्यों के लिए न्यू एजुकेशन पालिसी के अनुसार अनुसंधान के अवसर उपलब्ध कराना शामिल रहेगा। वहीं स्टेट ड्रग मेन्यूफैक्चरिंग एसोसिएशन, लखनऊ एवं इंस्टीट्यूट ऑफ फार्मास्युटिकल साइंसेज के बीच एक अनुबंध किया गया।

एलयू-सीबीएमआर मिलकर करेंगे शोध

■ एनबीटी, लखनऊ : जैव चिकित्सा अनुसंधान केन्द्र (सीबीएमआर) और लखनऊ यूनिवर्सिटी के इंस्टीट्यूट ऑफ फार्मास्युटिकल साइंसेज के बीच सोमवार को करार हुआ। एमओयू पर एलयू के कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय और सीबीएमआर के निदेशक प्रो. आलोक कुमार धवन ने हस्ताक्षर किए। इस मौके पर इंस्टीट्यूट ऑफ फार्मास्युटिकल साइंसेज के निदेशक प्रो.पुष्पेन्द्र कुमार त्रिपाठी और एलयू के अकेडमिक डीन प्रो. राकेश चंद्र भी मौजूद रहे। एलयू वीसी ने बताया कि करार के तहत जैव चिकित्सा अनुसंधान पर संयुक्त रूप से शोध होगा। इसके साथ ही स्टेट ड्रग मेन्यूफैक्चरिंग एसोसिएशन से भी एमओयू हुआ है। वीसी प्रो. आलोक कुमार राय और एसोसिएशन से संरक्षक वीर अंजनी कुमार सक्सेना की मौजूदगी में करार हुआ। इसका मकसद छात्रों को औद्योगिक तकनीकी प्रशिक्षण और रोजगार उपलब्ध करवाना है। इसके साथ ही अनुसंधान, बेहतर शिक्षा को लेकर भाषा विवि में एमओयू हुआ।

छात्रों को तकनीक के साथ मिलेंगे रोजगार के अवसर

अनुसंधान, लखनऊ

लखनऊ विश्वविद्यालय ने छात्रों को औद्योगिक तकनीकी प्रशिक्षण एवं रोजगार अवसर देने के लिए स्टेट ड्रग मेन्यूफैक्चरिंग एसोसिएशन से एक एमओयू साइन किया है।

कुलपति ख्वाजा मुर्मुर्दुनि चिश्ती ने बताया कि इससे छात्रों को औद्योगिक प्रशिक्षण के अवसर मिलेंगे। इससे छात्रों को औद्योगिक क्षेत्र में रोजगार के अवसर मिलेंगे। एमओयू के तहत अनुसंधान और शैक्षिक कार्यक्रमों पर सूचनाओं का आदान-प्रदान करना, शिक्षण, शिक्का सामग्री एवं अन्य साहित्य पर सूचनाओं का आदान-प्रदान करना, पारस्परिक हित के विषयों पर संयुक्त रूप से अल्पकालिक शिक्षा कार्यक्रम आयोजित करना और शिक्षकों को इसमें भाग लेने के लिए आमंत्रित करना शामिल रहेगा।



सुविधा

संस्कृत विश्वविद्यालय ने स्टेट ड्रग मेन्यूफैक्चरिंग एसोसिएशन के साथ एमओयू साइन किया।

कोविड 19 जैसे महामारीयों पर जैव चिकित्सा अनुसंधान के लिए ज्वाइंट रिसर्च प्रोजेक्ट करने, एकेडमिक पब्लिकेशन, पुस्तिकाओं और रिपोर्ट आदि औषधि विज्ञान के क्षेत्र में संयुक्त रूप से लिखने, छात्रों एवं संकाय सदस्यों के लिए न्यू एजुकेशन पालिसी के अनुसार अनुसंधान के अवसर उपलब्ध कराना शामिल रहेगा। वहीं स्टेट ड्रग मेन्यूफैक्चरिंग एसोसिएशन, लखनऊ एवं इंस्टीट्यूट ऑफ फार्मास्युटिकल साइंसेज के बीच एक अनुबंध किया गया।